केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 284 शनिवार 9 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महाराणा प्रताप जयन्ती पर आयोजन 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप के जयन्ती अवसर पर 9 मई शनिवार को दिन में 9 बजे अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप चौक सिविल लाइन्स पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक पूर्व प्रमुख कृष्ण चन्द्र सिंह ने बताया कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्र्यापण के बाद पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में 10.30 बजे से संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। मुख्य वक्ता सांसद जगदम्बिका पाल और विशिष्ठ अतिथि के रूप में विधायक अजय सिंह के साथ ही अनेक विद्वान संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे।

6 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्मः मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में एक छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 2.40 बजे की है। बच्ची की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी छह वर्षीय बेटी घर से बाहर निकली थी। आरोप है कि गांव के ही विशाल उर्फ सौरभ और दीपक शर्मा ने बच्ची का मुंह दबाकर उसे घर के सामने बने छप्पर में ले जाकर दुष्कर्म किया।

जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो मां उसे खोजने बाहर निकलीं। घर के सामने बने छप्पर के पास पहुंचने पर उन्होंने दोनों आरोपियों को बच्ची के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। मां के विरोध करने पर आरोपी उन्हें धक्का देकर मौके से फरार हो गए।

पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर वाल्टरगंज पुलिस ने विशाल उर्फ सौरभ निवासी गंधार और दीपक शर्मा निवासी लाल कुआं हुसैनगंज, लखनऊ (हाल मुकाम गंधार) के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि बच्ची को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गैस वितरण को लेकर हंगामा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी स्थित सरला भारत गैस एजेंसी पर गैस वितरण व्यवस्था को लेकर भारी अव्यवस्था और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई। सुबह करीब 5 बजे से ही महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग और अन्य उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े रहे।

देर शाम तक कई लोगों को सिलेंडर नहीं मिल सका, जिससे नाराज उपभोक्ताओं की भीड़ रात करीब 8 बजे तक एजेंसी परिसर के बाहर जुटी रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई महिलाएं छोटे बच्चों को घर छोड़कर घंटों लाइन में खड़ी रहीं। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि लंबे इंतजार के बावजूद उन्हें गैस नहीं दी गई, जबकि बाद में पहुंचे कुछ लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध करा दिया गया।

अर्चना जायसवाल, राजा बाबू, प्रभाकर उपाध्याय और रंजीत चौहान सहित कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे सुबह से लाइन में लगे थे, लेकिन उन्हें गैस नहीं मिली। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने एजेंसी के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी।

स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब गैस न मिलने से नाराज एक युवक राजू सोनी को पुलिस द्वारा वहां से हटाए जाने की बात सामने आई। इसके बाद लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि यदि कार्रवाई करनी है तो सभी उपभोक्ताओं की शिकायत सुनी जाए। मामले पर कलवारी पुलिस ने स्पष्ट किया कि मौके पर केवल शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही वे सुरक्षा बल के साथ पहुंचे और शांति व्यवस्था कायम की। लोगों ने जिला प्रशासन से गैस वितरण व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने तथा उपभोक्ताओं को पारदर्शी तरीके से सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है।

शुभेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री

कोलकाता (आभा)। भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कोलकाता में अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक में शुभेंदु के नाम पर मुहर लगी। उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। गृह मंत्री अमित शाह ने शुभेंदु के नाम का ऐलान किया। 9 मई को नए मुख्यमंत्री के लिए शपथ ग्रहण समारोह होगा। बंगाल में इस बार भाजपा ने पहली बार बहुमत हासिल किया है। पार्टी ने बंपर जीत हासिल करते हुए 207 सीटें जीती हैं, जबकि टीएमसी 80 सीटों पर सिमट गई। विधायक दल की बैठक में शुभेंदु अधिकारी को नेता चुना गया। इसका ऐलान अमित शाह ने किया और कहा, "अभी कुछ समय पहले ही चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई है।

केक काटकर मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस

प्रतीकात्मक तस्वीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मालवीय रोड स्थित बादशाही अखाडा पर रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह के संयोजन में केक काटकर खुशियों को` साझा किया गया। विश्व शांति, सेवा के क्षेत्र में रेड कास के महत्व पर चर्चा की गई। इस परम्परा को और समृद्ध बनाये जाने पर रेडक्रास सदस्यों ने जोर दिया।

रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि जीन हेनरी ड्यूनेंट स्विस मानवतावादी, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता थे, हेनरी ड्यूनेंट का जन्म 8 मई 1828 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हुआ था, उन्हें 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने 1863 में इंटरनेशनल ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेडक्रास के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रेडक्रास हमें सेवा और मानवता की रक्षा के क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र सिंह, लाडले हैदर रिज्वी, शाशंक राजगढ़िया, सन्तोष कुमार जायसवाल, मनोज यादव , गुरुचरन सिंह चावला, शोयब रहमान, विनय मौर्या,एस के दुबे,अतीत पाण्डेय, दिवेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव,विमल पान्डेय,काजी फरजान राकेश कुमार सौरभ यादव, ईश्वर चंद्र आदि उपस्थित रहे।

मारने पीटने, बाउन्ड्री गिराने, परिजनों को परेशान करने के मामले में दोषियो के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

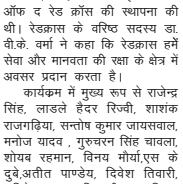

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के सुहगिया शंकरपुर निवासिनी संजू पत्नी शिवपूजन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर क्षेत्राधिकारी हर्रैया को पत्र देकर आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश और बाउन्ड्रीवाल गिरा देने, संजू को मारने पीटने, छावनी के दारोगा द्वारा दबाव बनाकर मनमाना एफआईआर दर्ज करने, उल्टे विवेचक द्वारा परिवार के सदस्यों, नात रिश्तेदारों को आये दिन थाने पर बुलाकर प्रताड़ित करने, फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुये विवेचक को बदलने और टूटी बाउन्ड्री को बनवाये जाने की मांग किया है।

सीओ हर्रैया दिये पत्र में संजू पत्नी शिवपूजन ने कहा है कि गत 4 अप्रैल को गांव के ही रूष्मा पत्नी हरिविजय, राम प्रसाद पुत्र रामदास उनकी आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश करने लगे। संजू ने जब इसका विरोध किया तो उन लोगों ने उसे मारा पीटा। शिवपूजन ने जब इसकी सूचना थाने पर दिया तो पुलिस ने न्याय दिलाने की जगह उसे भगा दिया। उसी दिन शाम को उक्त लोग धारदार हथियार लेकर घर पर चढ आये और उसके पुत्र लगभग 11 वर्षीय अभिषेक को मारा पीटा। वह फिर थाने पहुंचा किन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। 5 अप्रैल को उक्त लोगों ने उसकी बाउन्ड्रीवाल को गिरा दिया जिसका वीडियो उपलब्ध है। पुलिस ने शिवपूजन के तहरीर की जगह अपने तरीके से हल्के धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और अभियुक्त हरिविजय को मुल्जिम बना दिया जो यहां रहते ही नहीं है। शिवपूजन ने वीडियो के आधार पर नये सिरे से मुकदमा पंजीकृत कराकर विवेचक को बदलकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपनी जमीन को बचाने की गुहार पुलिस उच्चाधिकारियों से लगाया है।

–विवेचक पर धमकी देने का आरोपः सीओ से किया विवेचक बदलने की मांग

डायट परिसर में माँ सरस्वती की प्रतिमा का भव्य अनावरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में शुक्रवार को माँ सरस्वती की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा–अर्चना के साथ हुआ। प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक आनंदकर पाण्डेय एवं डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के द्वारा किया गया।

डायट प्रशिक्षु पं.इंद्रभान पाण्डेय की अगुवाई में विद्वान ब्राह्मणों के दल ने विधि–विधान से प्रतिमा का पूजन, हवन एवं मूर्ति पूजा संपन्न कराई।

मुख्य अतिथि ने कहा कि डायट शिक्षकों का निर्माण स्थल है। माँ सरस्वती की यह प्रतिमा यहाँ आने वाले हर डीएलएड प्रशिक्षु और सेवारत शिक्षकों को निरंतर कर्तव्यबोध कराती रहेगी। डायट प्राचार्य ने कहा कि यह दिन संस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। संचालन डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द प्रसाद ने किया।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, वंदना चौधरी, अमन सेन, शशिदर्शन त्रिपाठी, मोहम्मद इमरान, कुलदीप चौधरी, जिला समन्वयक, एसआरजी, एआरपी, जनपद के विभिन्न ब्लॉकों के खंड शिक्षा अधिकारी, कनिष्क सहायक अनिल चौधरी, रमाकांत गौतम एवं समस्त डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा में उमड़े लोग रामायण सिंह बने नए प्रमुख प्रतिनिधि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। शुक्रवार को ब्लॉक सभागार कक्ष में स्वर्गीय श्री रघुनाथ सिंह (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि) की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक प्रमुख मेवाती देवी ने किया। सभा में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धा–सुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम की शुरुआत दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद वक्ताओं ने स्व. रघुनाथ सिंह के व्यक्तित्व, उनके सामाजिक सरोकारों तथा क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। सभा को संबोधित करते हुए गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त मंत्री) महेश शुक्ला ने कहा कि स्व. रघुनाथ सिंह एक समर्पित, सरल और जनहित के लिए सदैव तत्पर रहने वाले भाजपा नेता थे। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

पूर्व विधायक सदर दयाराम चौधरी ने कहा कि स्व. रघुनाथ सिंह एक कर्मठ, ईमानदार और जनसेवा के प्रति समर्पित भाजपा नेता थे। पूर्व विधायक महादेवा रवि सोनकर ने कहा कि स्व. रघुनाथ सिंह एक जमीनी और जनप्रिय भाजपा नेता थे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक सच्चा जनसेवक खो दिया है, जिसकी भरपाई कर पाना कठिन है। सभी वक्ताओं ने कहा कि स्व. रघुनाथ सिंह एक सरल, मिलनसार और जनहित के प्रति समर्पित नेता थे, जिनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख मेवाती देवी ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए रामायण रघुनाथ सिंह को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि स्व. रघुनाथ सिंह के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने और क्षेत्र के विकास कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व ब्लॉक प्रमुख कृष्ण चन्द्र सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रोली सिंह, मनमोहन तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, ओमप्रकाश शुक्ला, रविचंद्र पाण्डेय, सत्यनारायण शुक्ला, जगदीश शुक्ला, योगेंद्र सिंह, सुनील पाण्डेय, आर.पी. शुक्ला, मुरलीधर शुक्ला, बीडीओ भवानी प्रसाद शुक्ला, बीओ अरुण कुमार, दुर्गेश शुक्ला, विवेकानंद शुक्ला, ब्रह्मानंद शुक्ला, रमेश अग्रहरि सहित समस्त प्रधानगण, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सभी ने स्व. रघुनाथ सिंह की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बिना मान्यता संचालित बचपन प्ले स्कूल पर कार्रवाई के निर्देश, एबीएसए ने दिया कड़ी चतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के नगर क्षेत्र के रंजीत चौराहे के पास संचालित एक बचपन प्ले स्कूल के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र विनोद कुमार त्रिपाठी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बचपन प्ले स्कूल द्वारा बिना मान्यता के नर्सरी से कक्षा 5 तक की कक्षाएं अवैध रूप से चलाई जा रही थीं।

शिकायत के अनुसार, यह विद्यालय कई वर्षों से नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित हो रहा है। संस्था को केवल नर्सरी से यूकेजी तक की कक्षाएं चलाने की अनुमति थी, लेकिन इसके बावजूद कक्षा 1 से 5 तक की पढ़ाई कराई जा रही थी। इतना ही नहीं, छात्रों को दूसरे विद्यालय के नाम से टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जारी करने की भी बात सामने आई है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय को पहले भी नोटिस जारी किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी रही। अब सख्त रुख अपनाते हुए विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि कक्षा 1 से 3 तक के सभी बच्चों का नामांकन तुरंत किसी मान्यता प्राप्त या नजदीकी परिषदीय विद्यालय में कराया जाए और इसकी सूचना 2 दिनों के भीतर विभाग को दी जाए।

अधिकारी ने चेतावनी दी है कि आदेश का पालन न करने की स्थिति में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की सूचना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती को भी भेजा गया है।

मिड डे मिल में लापरवाही, जली रोटियों पर भड़की जिलाधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ,जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना द्वारा जनपद के विभिन्न विकास खण्डों के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में साफ–सफाई, छात्र उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था तथा मिड–डे–मील की गुणवत्ता का गहनता से परीक्षण किया गया।

निरीक्षण की शुरुआत विकास खण्ड बनकटी स्थित पीएम श्री विद्यालय देवमी से हुई। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर साफ–सफाई की स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी द्वारा कक्षा–7 में छात्र उपस्थिति की जांच के दौरान 27 नामांकित छात्रों की तुलना में 24 छात्र उपस्थिति पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित शिक्षकों को चेतावनी जारी करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुप तिवारी को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए कम्प्यूटर लैब के उपकरण अब तक स्थापित न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह के भीतर इंस्टॉलेशन पूर्ण कर विद्यार्थियों के उपयोग हेतु संचालित कराने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत जिलाधिकारी कम्पोजिट विद्यालय डारीडीहा पहुंचीं, जहां कक्षाएं संचालित होती पाई गईं। किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान मिड–डे–मील व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई। बच्चों को परोसी गई रोटियां मोटी एवं जली हुई पाई गईं। भोजन की खराब गुणवत्ता को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित प्रधानाध्यापिका श्रीमती अनीता द्विवेदी एवं रसोइयों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए।

अखिलेश पाण्डेय अध्यक्ष, मुरलीधर मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई गौर का त्रैवार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को ब्लॉक सभागार गौर में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से लगातार दूसरी बार अखिलेश पाण्डेय को अध्यक्ष तथा मुरलीधर को मंत्री पद के लिए निर्वाचित किया गया। साथ ही अन्य पदों पर भी शिक्षकों का मनोनयन किया गया। अधिवेशन में बड़ी संख्या में शिक्षकों की भागीदारी रही। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई।

–त्रैवार्षिक अधिवेशन में मुद्दों पर चर्चा
–समाज का दर्पण हैं शिक्षक–जटाशंकर शुक्ल

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गौर जटाशंकर शुक्ल द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। चुनाव पर्यवेक्षक दुर्गेश यादव, चुनाव अधिकारी उमाशंकर पाण्डेय और सुधीर तिवारी के देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। किसी भी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का कार्य पूर्ण हुआ। अध्यक्ष और मंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कृष्णधर दुबे और हरिओम चौधरी उपाध्यक्ष पद पर वैभव पाण्डेय, इंद्र प्रताप शुक्ला, घनश्याम यादव, राजू वर्मा, लाल जी, अमन कुमार और स्पर्धा वर्मा संयुक्त मंत्री पद पर मनु प्रकाश श्रीवास्तव, संगठन मंत्री पद पर नंदकुमार शुक्ला, शैलेंद्र कुमार राय, ओम जी माथुर, अवनीश पाल, सुमित कुमार यादव, रजनीश सिंह, राहुल कुमार राणा और रुचि शुक्ला, प्रचार मंत्री पद पर पवन कुमार, शैलेंद्र चौधरी, लालचंद, रजनीश कुमार और रजनी मिश्रा, कोषाध्यक्ष पद पर अनिल कुमार कनौजिया, लेखाकार पद पर अरविंद यादव, आय व्यय निरीक्षक पद पर जनार्दन प्रसाद पाण्डेय को निर्वाचित किया गया। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों को समाज का दर्पण बताते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए शिक्षक एकजुट रहें। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सजग रहने की बात कही। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा द्वारा बताया गया कि ब्लॉकों के निर्वाचन की प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी इसी क्रम में 9 मई को विक्रमजोत ब्लॉक का अधिवेशन सुनिश्चित है। शिक्षक अपनी एकता से संघर्ष के लिए तत्पर हैं और बिना संघर्ष के अब कोई सुविधा मिलने वाली नहीं है।

अधिवेशन में मुख्य रूप से विजय यादव, गौरव चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, रजनीश यादव, प्रताप नारायण चौधरी, हरेंद्र यादव के साथ ही गोंडा जनपद के छपिया ब्लॉक के अध्यक्ष राजमंगल पाण्डेय और मंत्री ऋषि कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक पदाधिकारियों का विस्तार, टेट, पुरानी पेंशन, जनगणना डियूटी को लेकर बनी संघर्ष की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक की आवश्यक बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में टेट की वापसी, पुरानी पेंशन बहाली, जनगणना कार्य में असाध्य बीमारी, गर्भवती शिक्षिकाओं, दिव्यांग, प्रसव कालीन एवं बाल्य देखभाल अवकाश, पति, पत्नी दोनों की डियूटी लगाये जाने के मामलों में सम्बंधित को डियूटी से मुक्त करने पर विचार किया गया। इसके साथ ही सांगठनिक मजबूती की दृष्टि से गिरजेश उपाध्याय, उपेन्द्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार को जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार पाल, हरिश्चन्द्र यादव को जिला संगठन मंत्री, हरीश चौधरी को कुदरहा ब्लाक मंत्री और अमित श्रीवास्तव को सर्व सम्मत से ब्लाक कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। इसी कड़ी में राम कृपाल और राम यज्ञ वर्मा को गौर ब्लाक का वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कैलाशनाथ और अमित कुमार गुप्त को उपाध्यक्ष, सत्य प्रकाश को बनकटी ब्लाक उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

–मजबूत संगठन से ही शिक्षकों को मिल सकेंगे अधिकार- उदयशंकर शुक्ल

बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि विपरीत समय में मजबूत संगठन और परस्पर एकजुटता से ही समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सकेगा। जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे, संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, सदर ब्लाक अध्यक्ष शैल शुक्ल, साऊंघाट ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक उपाध्याय, कुदरहा ब्लाक अध्यक्ष ओम प्रकाश पाण्डेय, कप्तानगंज ब्लाक अध्यक्ष स्कन्द मिश्र, परसरामपुर ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र दूबे, मंत्री राजीव पाण्डेय, रूधौली अध्यक्ष रजनीश मिश्र, बहादुरपुर ब्लाक अध्यक्ष रीता शुक्ला, सरिता तिवारी, दुबौलिया ब्लाक अध्यक्ष दिवाकर सिंह, उमाशंकर मणि, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, आशुतोष शुक्ल, सतीश शंकर शुक्ल, सरिता पाण्डेय, विकास पाण्डेय, प्रदीप मिश्र, कुलदीप तिवारी, ज्ञानेश्वर शुक्ल आदि ने सम्बोधित करते हुये शिक्षक समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से रक्षाराम वर्मा, मो. इकबाल, चन्द्रशेखर शर्मा, अमित कुमार पाण्डेय, माधवी शुक्ल, चन्द्रमणि विश्वकर्मा, किरन देवी, वंदना पाण्डेय, किरन चौधरी, विजय वर्मा, महारानी लाल कुंवर, गीतांजलि, प्रणव मिश्र, सुषमा, रेखा पाण्डेय, नीलम, आशा तिवारी, संध्या तिवारी, इन्दुबाला त्रिपाठी, मंजू पाण्डेय, कनीज फिजा रिजवी, दुर्गेश राव, अतुल कृष्ण राज, विवेक उपाध्याय, नवीन चौधरी, रवि प्रताप सिंह, कैलाश नाथ, वृजेश कुमार पाण्डेय, मारूफ खान, अवध नरायन शुक्ल, सुषमा सिंह, अनुप्रिया पाण्डेय, पूजा मिश्र, आभा श्रीवास्तव, अंकिता उपाध्याय, शिखा सिंह, रीतू श्रीवास्तव, मो. याकूब, गौरव तिवारी, चन्द्रिका सिंह, शिवम शुक्ल, विनोद गुप्ता, सत्य प्रकाश सिंह, पटेश्वरी प्रसाद सिंह, पीयूष मौर्य, जय प्रकाश शुक्ल, सरिता, ओंकारनाथ उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 मई 2026 शनिवार

सम्पादकीय

चुनाव के बाद हिंसा पर लगे विराम

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुध्वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है।

किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है,अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन–प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

पंजाब में साजिश

गाहे–बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख–चैन छीनने के षडयंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर–तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप–प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ–हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा।

लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है। यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं। ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं। सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है। प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान–प्रदान किया जाए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

पढ़ाई बढ़ी लेकिन स्किल क्यों नहीं बढ़ी?

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

आज का समाज एक अजीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ शिक्षा का स्तर पहले से कहीं अधिक ऊँचा दिखाई देता हैकृ हर घर में बच्चे पढ़ रहे हैं, कोचिंग, ऑनलाइन क्लासेस और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं, और परिणामस्वरूप अंक भी लगातार बेहतर हो रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ एक सवाल लगातार सिर उठाता हैकृक्या सच में हम सीख रहे हैं, या सिर्फ अंकों का संग्रह कर रहे हैं? यह विडंबना केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक बच्चों को एक ऐसी दौड़ में शामिल कर दिया गया है, जहाँ लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाना, उच्च रैंक हासिल करना और अधिक से अधिक प्रमाणपत्र जुटाना रह गया है। इस पूरी प्रक्रिया में "सीखना" कहीं पीछे छूट गया है। बच्चे यह समझने लगते हैं कि सफलता का मतलब है परीक्षा में सही उत्तर लिख देना, न कि उस ज्ञान को जीवन में लागू कर पाना।

इसी कारण आज हम ऐसे युवाओं को देखते हैं जो कागज पर बेहद सफल हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की चुनौतियों के सामने असहज हो जाते हैं। वे जटिल प्रश्न हल कर सकते हैं, लेकिन सरल समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में अटक जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, निर्णय लेने में झिझक, और नई परिस्थितियों में खुद को ढालने की कमजोरीकृये सब उस शिक्षा का परिणाम हैं जो "याद करने" पर अधिक और "समझने" पर कम आधारित है। हमारी शिक्षा प्रणाली लंबे समय से रटने की संस्कृति पर टिकी रही है। बच्चों को यह सिखाया जाता है कि कौन–सा प्रश्न कैसे आएगा और उसका उत्तर किस तरह लिखना है। इस प्रक्रिया में उनकी जिज्ञासा धीरे–धीरे खत्म हो जाती है। वे सवाल पूछने से कतराने लगते हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं वे "गलत" न साबित हो जाएँ। रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच, जो किसी भी समाज के विकास के लिए जरूरी होती है, इस दबाव में दब जाती है। जब यही बच्चे उच्च शिक्षा पूरी कर नौकरी की दुनिया में प्रवेश करते हैं, तब वास्तविकता सामने आती है। कंपनियाँ केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल चाहती हैंकृसमस्या को समझने की क्षमता, टीम के साथ काम करने का हुनर, संवाद कौशल, और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की योग्यता। लेकिन शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें इन सबके लिए तैयार ही नहीं किया होता। यही कारण है कि डिग्री बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने में युवा पीछे रह जाते हैं। यह केवल बेरोजगारी का नहीं, बल्कि "स्किल गैप" का संकट है।

इस पूरी प्रक्रिया का एक और गंभीर पहलू हैकृमानसिक दबाव। आज के छात्र पर अपेक्षाओं का बोझ बहुत अधिक है। परिवार, समाज और प्रतिस्पर्धाकृतीनों मिलकर उस पर निरंतर दबाव बनाते हैं कि वह हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करे। लेकिन जब पढ़ाई का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता, तो यह दबाव धीरे–धीरे तनाव और भ्रम में बदल जाता है। बच्चे यह समझ ही नहीं पाते कि वे जो पढ़ रहे हैं, उसका उनके जीवन से क्या संबंध है। असल में शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल परीक्षा पास करना नहीं था। शिक्षा का अर्थ है व्यक्ति को जीवन के लिए तैयार करनाकृउसे सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता देना।

यह उसे केवल जानकारी नहीं, बल्कि उस जानकारी का उपयोग करना सिखाती है। लेकिन जब शिक्षा केवल अंकों तक सीमित हो जाती है, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है। समस्या का समाधान भी इसी समझ में छिपा है। जब तक हम शिक्षा को केवल "परिणाम" के रूप में देखेंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। जरूरत है कि हम प्रक्रिया पर ध्यान देंकृकैसे बच्चे सीख रहे हैं, क्या वे वास्तव में समझ रहे हैं, क्या वे अपने ज्ञान को लागू कर पा रहे हैं। पाठ्यक्रम को ऐसा बनाया जाना चाहिए जो बच्चों को सोचने और प्रयोग करने के लिए प्रेरित करे। परीक्षा प्रणाली को इस तरह बदला जाना चाहिए कि वह केवल याददाश्त नहीं, बल्कि समझ और अनुप्रयोग को परखे।

शिक्षकों की भूमिका भी इस बदलाव में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक बनना होगा, जो बच्चों को सवाल पूछने, गलती करने और उससे सीखने के लिए प्रेरित करें। वहीं अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों की सफलता को केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके कौशल, आत्मविश्वास और समझ से आंकना होगा। डिजिटल युग ने सीखने के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन इनका सही उपयोग तभी संभव है जब हमारे पास सीखने की सही दृष्टि हो। केवल जानकारी तक पहुँच होना पर्याप्त नहीं है, उसे समझना और उपयोग करना ही असली शिक्षा है।

अंततः यही बात सबसे महत्वपूर्ण है कि नंबर यह बताते हैं कि आपने कितना याद किया, लेकिन ज्ञान और कौशल यह बताते हैं कि आप क्या कर सकते हैं। यदि हमारी शिक्षा प्रणाली इस अंतर को समझने में सफल हो जाती है, तो न केवल छात्रों का भविष्य बेहतर होगा, बल्कि समाज भी अधिक सक्षम और जागरूक बनेगा। आज जरूरत है इस सवाल को गंभीरता से पूछने कीकृक्या हम सच में शिक्षित हो रहे हैं या सिर्फ शिक्षित दिखने की कोशिश कर रहे हैं? क्योंकि जब तक इस सवाल का ईमानदार जवाब नहीं मिलेगा, तब तक पढ़ाई बढ़ती रहेगी, लेकिन स्किल नहीं बढ़ेगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के राजनीतिक निहितार्थ

—कमलेश पाण्डेय—

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल विस्तार के कई गहरे राजनीतिक मायने हैं। यह केवल सत्ता संचालन का मामला नहीं बल्कि 2029 लोकसभा और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी ने इसे राष्ट्रीय स्तर का शक्ति प्रदर्शन बना दिया। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा को मिली अभूतपूर्व विजय से बिहार का महत्व और भी बढ़ चुका है क्योंकि पश्चिम, उत्तर, मध्य भारत के बाद पूर्वी भारत में भाजपा ने गजब का विस्तार किया है। इसे बरकरार रखने में बिहार की अहम भूमिका होगी।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि बिहार में भाजपा अब "सहयोगी दल" नहीं बल्कि "मुख्य धुरी" बनना चाहती है। यही वजह है कि वह एनडीए के सामाजिक समीकरणों को फिर से पुनर्गठित कर रहा है। खासकर 'नीतीश युग' से 'सम्राट युग' की ओर नियंत्रित लेकिन सधे हुए कदमों से वह कदमताल भर रही है, जिसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साहस, समर्पण, और सहृदयता को जाता है जिससे मोदी–शाह का काम आसान हुआ।

देख जाए तो भाजपा आम चुनाव 2029 की राजनीति की नींव अभी से रखी जा रही है। इसके लिए नीतीश सरकार के जातीय समीकरण को अक्षुण्ण रखते हुए सामाजिक न्याय और हिंदुत्व को नई धार दे चुकी है। इससे बिहार विधानसभा चुनाव 2030 में भी बहुत फायदा मिलेगा। वहीं, पूर्वी भारत के लिए भविष्य की चुनौतियों से निपटने और खासकर ग्रेटर बंगलादेश के सपनों को नेस्तनाबूद करने की अंदरूनी तैयारी भी भाजपा ने तेज कर दी है, जिसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा असम, के अलावा त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर आदि की भी अहम भूमिका रहेगी।

युवा और कर्मठ राजनेता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने बिहार में "पोस्ट–नीतीश युग" की शुरुआत का संकेत दिया है, लेकिन अब मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए पार्टी नेतृत्व द्वारा यह संदेश दिया गया है कि पार्टी बिहार में अपना स्वतंत्र नेतृत्व खड़ा कर रही है। इसमें नए और आक्रामक राजनीतिक चेहरों को जगह दी गई है। विभागों का बंटवारा भी काफी सूझबूझ से किया गया है। इसका श्रेय टीम मोदी–शाह–चौधरी को ही जाता है।

सम्राट कैबिनेट के गठन में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओबीसी, ईबीसी, दलित, महादलित, सवर्ण, निषाद, कुशवाहा, पासवान और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं, अकस्मात लाए हुए यूजीसी बिल के साइड इफेक्ट्स से भी एनडीए को बचाने की पुरजोर कोशिश दिखी। लिहाजा, इसे भाजपा–जदयू गठबंधन की संयुक्त "सामाजिक समीकरण साधो" रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, विशेष रूप से, ओबीसी और ईबीसी वर्ग को बड़ा प्रतिनिधित्व के दृष्टिगत अतिपिछड़ा वोट बैंक पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश के साथ साथ दलित–पासवान समीकरण को एनडीए में स्थिर रखने का प्रयास करते हुए सीमांचल और मिथिलांचल को राजनीतिक संदेश दिया गया है। इससे नए चेहरों की भी किस्मत खुली।

रिपोर्टों के अनुसार भाजपा और जदयू के बीच लगभग बराबरी का फार्मूला अपनाया गया। इससे यह संकेत गया कि गठबंधन में जदयू अभी भी सम्मानजनक स्थिति में है, जबकि भाजपा नेतृत्वकारी भूमिका में आगे बढ़ रही है। आपको बता दें कि भाजपा और जदयू की दोस्ती दोनों दलों के लिए बहुत सुखदायी समझी जाती है। तभी तो एक नहीं बल्कि दो–दो बार नीतीश कुमार एनडीए से बाहर गए, लेकिन भाजपा ने उन्हें बार–बार मौका देकर नीतीश कुमार की इज्जत बनाए रखी। वहीं, उनकी पसंद का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाकर, भाजपा में ही नीतीश कुमार पैदा करने की अहम चाल चली, जिसका फायदा क्रमबद्ध रूप से समझ में आएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को मंत्रिमंडल में बतौर स्वास्थ्य मंत्री शामिल किया जाना बेहद प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। इसके लिए पार्टी ने अपने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय तक को दरकिनार करना मुनासिब समझी। इससे जदयू के भीतर उत्तराधिकार राजनीति को संस्थागत रूप देने का संकेत मिलता है। इससे भाजपा का लवकुश समीकरण काफी मजबूत होगा। इसप्रकार यह कदम तीन संदेश देता हैरू एक, जदयू का भविष्य "परिवार–केंद्रित नेतृत्व" की ओर जा सकता है। दो, भाजपा फिलहाल नीतीश परिवार के साथ टकराव नहीं चाहती। और तीसरा, गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश है।

गांधी मैदान, पटना में बड़े आयोजन और शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की अहम मौजूदगी यह दर्शाती है कि भाजपा बिहार को पूर्वी भारत की राजनीति का केंद्रीय मैदान बना रही है। यह संदेश विपक्ष, खासकर तेजस्वी यादव और महागठबंधन को दिया गया कि एनडीए अभी भी संगठनात्मक और चुनावी रूप से मजबूत है। इसलिए इंडिया गठबंधन अपना कुनबा संभाले न कि एनडीए गठबंधन पर बक्र दृष्टि रखे। इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी कैबिनेट में कई नए चेहरों को मंत्री बनाकर भाजपा और जदयू दोनों के मिशन "जनरेशन शिफ्ट" का संकेत दिया है। इससे एंटी–इंकम्बेंसी कम करने और युवा वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश दिखती है। ऐसा इसलिए कि वर्तमान राजनीति में किसानों, मजदूरों, कारीगरों के साथ साथ महिलाओं और युवाओं की भूमिका बढ़ी है। आजकल युवा ड्राइविंग फोर्स की तरह निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। पूर्वी भारत में भाजपा का आधार जागरूक युवा ही हैं। इसलिए भाजपा उनके सपनों को पूरा करने में जुटी रहती है। यदि ऐसा स्वप्न साकार होता है तो इससे न केवल पूर्वी बिहार, बल्कि मध्य बिहार, उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में भी भाजपा को मजबूती मिलेगी।

विधानसभा चुनाव परिणामः नई सरकारों की होगी कड़ी अग्निपरीक्षा

—मृत्युंजय दीक्षित—

तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था। एक्टर थलपति विजय की विजय में मुख्य भूमिका उनके चुनावी वायदों ने की है जो अधिकांशतः मुफ्त की रेवड़ी वाले हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आ चुके हैं। नई सरकारों के गठन की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के ये विधानसभा चुनाव परिणाम कई स्पष्ट संकेत देने वाले हैं। बंगाल, असम, और पुडुचेरी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा व राजग गठबंध को दो तिहाई बहुमत के साथ चुना वहीं तमिलनाडु और केरल में भी सत्ता बदल गई। बंगाल, असम और पुडुचेरी में विकास, कल्याणकारी योजनाओं व हिंदुत्व का कमाल रहा। असम में कल्याणकारी योजनाओं के सहारे भाजपा जहां महिलाओं और युवाओं को साधने में सफल रही वहीं मुख्यंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ मुहिम छेड़कर नस्त, क्षेत्र और भाषा में बनते हिंदुओं को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। असम और बंगाल की जनता को भाजपा यह भरोसा दिलाने में सफल रही कि केवल भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से मुक्ति दिला सकती है।

बंगाल और असम के बाद सबसे अधिक चर्चा तमिलनाडु को लेकर हो रही है। तमिलनाडु के चुनाव परिणामों ने सभी को हैरान कर दिया है। एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक का मिथक टूट गया है। फिल्म स्टार विजय की झोली वोटों से भरी है। केरलम में पराजय के बाद देश भर से वामपंथी सरकारों का अंत हो चुका है तथापि वह अपना राजनैतिक और वैचारिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए दो विधायकों के बल पर तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की नई सरकार मे घुस रही है। सभी राज्य विधानसभाओं में भाजपा का खाता खुल चुका है। पहली बार केरलम में भाजपा के तीन व तमिलनाडु में एक विधायक जीतने में सफल रहे हैं।

तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार– तमिलनाडु की जनता द्रविड़ राजनीति से हताश और निराश हो चुकी थी। कभी द्रमुक और कभी अन्ना द्रमुक राज्य इनके बीच में झूलता रहता था। तमिल राजनीति में फिल्मी कलाकारों की अहम भूमिका रही है एम. जी. रामचंद्रन से लेकर करुणानिधि और जयललिता जैसे सितारों ने वहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाई और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे।

तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था। एक्टर थलपति विजय की विजय में मुख्य भूमिका उनके चुनावी वायदों ने की है जो अधिकांशतः मुफ्त की रेवड़ी वाले हैं। विवाह के लिए महिलाओं को 22 कैरेट का आठ ग्राम सोना देने से लेकर 60 सल से कम आयु की महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता प्रति परिवार छह फ्री सिलेंडर देने का वादा काम कर गया। गरीब दुल्हनों के लिए रेशमी साड़ी और महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपए तक के बयाज मुक्त ऋण का आश्वासन भी विजय ने दिया है। थलपति विजय ने वैसे ही कई लोक लुभावन वायदे किये है जैसे कभी आप नेता अरविंद केजरीवाल दिया करते थे। यह थलपति विजय तमिलनाडु के केजरीवाल सिद्ध हो सकते हैं।

ईसाई पिता ओर हिंदू मां की संतान विजय ने अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार करने में द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को जोड़ा है। इनकी पार्टी तमिलगा वेटी कझागम की स्थापना फरवरी 2024 में हुई, जो तमिलनाडु और पुडुचेरी तक फैली हुई है। लोग सोच रहे हैं कि विजय की आखिर इतनी बड़ी विजय कैसे हो गईद्द विजय लम्बे समय से कई घरों के चूल्हों के ईंधन, बेटियों की पढ़ाई और बहनों की शादी का खर्च लगातार उठा रहे थे। उनके वोटबैंक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी महिलाओं और युवाओं की रही है। वह अपनी फिल्मों में गरीबों के मसीहा के तौर पर पेश किए जाते थे जिसका परिणाम अब सबके सामने है। विजय की चुनावी जनसभाओं में अभूतपूर्व भीड़ उमड़ रही थी किंतु कोई राजनैतिक विश्लेषक यह मानकर नहीं चल रहा था कि वह सरकार बनाने तक पहुंच जाएंगे।

तमिलनाडु में यदि कोई सबसे बड़ा परजीवी दल साबित हुआ है तो वह कांग्रेस है क्य उसने हर बार की तरह अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिए एक और क्षेत्रीय दल की सरकार में गठबंधन के बहाने सेंधमारी कर ली है। जो दल कांग्रेस के साथ गए व कांग्रेस जिन दलों के साथ गई उन दलों का क्या हाल हो रहा है सभी को पता है। वैसे अभी थलपति विजय का शपथ ग्रहण समारोह भी ग्रहण ग्रस्त लग रहा है।

मृत्युंजय दीक्षित (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बंगाल और असम के बाद सबसे अधिक चर्चा तमिलनाडु को लेकर हो रही है। तमिलनाडु के चुनाव परिणामों ने सभी को हैरान कर दिया है। एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक का मिथक टूट गया है। फिल्म स्टार विजय की झोली वोटों से भरी है। केरलम में पराजय के बाद देश भर से वामपंथी सरकारों का अंत हो चुका है तथापि वह अपना राजनैतिक और वैचारिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए दो विधायकों के बल पर तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की नई सरकार मे घुस रही है। सभी राज्य विधानसभाओं में भाजपा का खाता खुल चुका है। पहली बार केरलम में भाजपा के तीन व तमिलनाडु में एक विधायक जीतने में सफल रहे हैं।

शादी में पंडित जी से कहासुनी के बाद बवाल, दूल्हे को भी घेरकर लाठियों से पीटा, मची अफरातफरी

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में एक शादी समारोह उस वक्त अखाड़े में तब्दील हो गया, जब मामूली बात को लेकर बरातियों और ग्रामीणों के बीच खूनी संघर्ष छिड़ गया। विवाद की शुरुआत सात फेरों के दौरान पंडित जी से हुई कहासुनी से हुई, जिसने इतना तूल पकड़ा कि लाठी–डंडों के साथ दर्जनों ग्रामीणों ने बरातियों पर हमला बोल दिया। इस मारपीट में दूल्हा भी नहीं बच सका और उसे घेरकर पीटा गया। घटना में दूल्हे समेत आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। कुछ घायलों को गंभीर हालत में गोरखपुर के मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, खड्डा थाना क्षेत्र के नौगांव निवासी कन्हैया सिंह के पुत्र गोलू सिंह की बरात 5 मई को कप्तानगंज थाना क्षेत्र के तुरकहा गांव निवासी महंथ सिंह के यहां आई थी। सब कुछ ठीक चल रहा था और विवाह की रस्में अदा की जा रही थीं। इसी बीच मंडप में विवाह करा रहे पंडित जी और कुछ बरातियों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते बहस हाथापाई में बदल गई। आरोप है कि पंडित जी से विवाद की सूचना मिलते ही गांव के दर्जनों लोग लाठी–डंडों के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बरातियों पर हमला कर दिया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। हमलावरों ने दूल्हा गोलू सिंह को भी नहीं बख्शा और उसे बेरहमी से पीटा। इस मारपीट में शक्तिमान सिंह, अनिकेत सिंह, सुदर्शन और श्याम बदन गंभीर रूप से घायल हो गए। बरात पक्ष ने मारपीट के दौरान गहने और नगदी चोरी होने का भी गंभीर आरोप लगाया है। घायलों को तत्काल कप्तानगंज स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक देख कुशीनगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां भी स्थिति में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर भेज दिया। करीब तीन दिनों तक चले इलाज के बाद घायल अब घर लौटे हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं। इस सनसनीखेज मामले में कप्तानगंज थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीण पक्ष की ओर से मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, बराती पक्ष की ओर से अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। शादी की खुशियां अब थाने और कचहरी के चक्करों में बदल गई हैं।

सुबह–सुबह स्कूली वाहनों की जांच के लिए चला अभियान, पांच पर कार्रवाई

संवाददाता–महराजगंज। बच्चों की सुरक्षा के लिए यातायात पुलिस ने शुक्रवार की सुबह महराजगंज शहर सहित कई कस्बों में जांच अभियान चलाया। इस अभियान के तहत स्कूली वाहनों की विशेष जांच की गई। पांच स्कूली वाहनों पर नियम विरुद्ध संचालन के कारण कार्रवाई की गई। स्कूली छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है। विद्यालयी वाहनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस की ओर से की गई चेकिंग के दौरान स्कूली बसों एवं अन्य वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशामक यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की गहन जांच की गई।वाहन चालकों एवं प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि सभी स्कूली वाहनों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा स्थापित कराया जाए। वाहन निर्धारित गति सीमा में संचालित किए जाएं तथा अग्निशामक यंत्र एवं पर्याप्त फर्स्ट एड बॉक्स सदैव उपलब्ध रखा जाए। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चार स्कूली वाहनों का चालान किया गया तथा एक स्कूली वाहन का फिटनेस प्रमाणपत्र न होने के कारण उसे सीज करने की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार इस तरह का विशेष अभियान आगे भी चलता रहेगा।

सनातन संस्कृति में है विज्ञान का भंडार -डा नायक

संवाददाता–श्रावस्ती। हमारी सनातन संस्कृति में विज्ञान का भंडार है। आधुनिक शिक्षा के साथ हमें अपने परंपरागत ज्ञान को भी याद रखना चाहिए। यह बातें दूरदर्शन के सहायक निदेशक रहे डा हंसराज नायक ने सिरसिया के राजकीय इंटर कॉलेज गब्बापुर में आयोजित विज्ञान एवं नवाचार महोत्सव में कहीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से दूर नहीं होना चाहिए। हमारी पूरी दिनचर्या वैज्ञानिक थी, जो आज बिगड़ रही है। इससे अनेक तरह के रोग उत्पन्न हो रहे हैं। प्रभारी प्रधानाचार्य डा रमेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी हैं। इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड एडवांस स्टडीज की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में आंचलिक विज्ञान नगरी लखनऊ के मुख्य शिक्षा अधिकारी रामकुमार ने कहा कि बच्चे विज्ञान में प्रयोग करने की रुचि पैदा करें और कुछ ऐसा बनाएं जो समाज के लिए काम आए।

उद्यमिता की ओर नवाचार के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में जनजातीय बच्चों को सशक्त बनाने का आह्वान करते हुए डा वीपी सिंह ने कहा कि जनजातियों के विज्ञान को हमें संजोकर रखना है। हम भले ही इस पर उतना शोध ना कर रहे हो लेकिन विदेशी इस पर बहुत काम कर रहे हैं। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं को लेकर नवाचार करने को कहा। जीआईसी टंगपसरी के प्रधानाचार्य विकास कुमार सरोज ने विद्यार्थियों से मोबाइल का बहुत ही सीमित उपयोग करने और एकाग्रचित होकर पढ़ाई करने की सीख दी।

जेल में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर:105 बंदियों को मिला उपचार

संवाददाता–बलरामपुर। जिला कारागार बलरामपुर में शुक्रवार को एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रेड क्रॉस सोसाइटी और मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और विशेषज्ञ चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम ने लगभग 105 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। उन्हें आवश्यक उपचार और परामर्श दिया गया। इस दौरान दंत, नेत्र और सामान्य रोगों की जांच की गई, साथ ही जरूरतमंद बंदियों को दवाएं भी वितरित की गईं। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा बलरामपुर के सचिव डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार चौधरी, जिला स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी अरविंद मिश्रा और जिला मतेरिया अधिकारी राजेश पांडेय सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित श्रीवास्तव और डॉ. मोहसिन अली सिद्दीकी ने बंदियों के दांतों की जांच की। फार्मासिस्ट संजय गुप्ता, लैब तकनीशियन योगेश सिंह और ऑप्टोमेट्रिस्ट विनय द्विवेदी ने भी अपनी सेवाएं दीं। जेल अधीक्षक मुकेश कुमार और कारापाल शैलेष कुमार सिंह सोनकर ने संयुक्त रूप से बताया कि कारागार प्रशासन बंदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बंदियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समय–समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। जेल चिकित्साधिकारी डॉ. रत्नसेन वर्मा ने जानकारी दी कि भविष्य में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इस प्रकार के शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य कारागार में निरुद्ध बंदियों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सुनिश्चित करना है। शिविर के सफल संचालन में रेड क्रॉस सोसाइटी की महिला सदस्यों के साथ उपकारापाल अभय कुमार यादव, श्रीमती शारदा देवी और राम प्रवेश सहित कारागार तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

बारात से लौट रहे युवकों की बाइक को पिकअप ने मारी टक्कर, किशोर की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के छितौनी टेगरहा मोड़ के पास गुरुवार की आधी रात एक तेज रफ्तार पिकअप ने दो बाइकों को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बारात से लौट रहे चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुर्कहा पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने रविन्द्र नगर धूस मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रास्ते में ही एक किशोर की मौत हो गई। हनुमानगंज थाना क्षेत्र के छितौनी बैरा टोला निवासी राहुल (17) पुत्र मिद्धू साहनी, नीरज (18) पुत्र त्रिलोकी, संदीप साहनी (18) पुत्र भरत तथा बिट्टू (17) पुत्र हीरालाल साहनी गुरुवार की शाम कटाई भरपुखा गांव गई एक बारात में शामिल होने गए थे। आधी रात करीब 12 बजे चारों दो बाइकों से वापस घर लौट रहे थे। छितौनी बाईपास स्थित टेगरहवा मोड़ के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने दोनों बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि चारों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही हनुमानगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी तुर्कहा भेजा गया।

निजी अस्पताल में युवक की मौत पर हंगामा, लापरवाही का आरोप

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के फाजिलनगर कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती 38 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो जाने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पटहेरवा थाना क्षेत्र के बनवीरा निवासी जमालुद्दीन (38) पुत्र अली मुहम्मद को बुधवार की शाम अचानक पेट में तेज दर्द होने लगा। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे। परिजनों का आरोप है कि युवक की हालत लगातार गंभीर होती जा रही थी, इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर नहीं कियाः

परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन पैसे के लालच में मरीज को रोके रखा और समय पर उचित उपचार नहीं मिलने से शुक्रवार की भोर में उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और गांव के लोग अस्पताल पहुंच गए और चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते मरीज को किसी बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया होता तो उसकी जान बच सकती थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में कुछ लोगों की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। चर्चा है कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे मृतक के परिजन किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं करने पर सहमत हो गए।

मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। परिवार में पत्नी, एक मासूम बेटा, दो नाबालिग बेटियां और वृद्ध माता–पिता हैं। युवक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है।

मजदूरी करके पत्नी को एएनएम बनाया, साथ रहने से किया इनकार

संवाददाता–गोण्डा। पति–पत्नी के रिश्ते से जुड़ा एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने मजदूरी कर, भैंस और गन्ना बेचकर पत्नी को एएनएम का कोर्स कराया, लेकिन नौकरी लगने के बाद पत्नी ने उसके साथ रहने से इनकार कर दिया। पति ने कहा पत्नी को पढ़ाने में डेढ़ लाख खर्च हुआ। अब पत्नी और उसके परिवार के लोग 10 लाख रुपए की मांग कर रहे है। पीड़ित पति ने अब पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। मामला मोतीगंज थाना क्षेत्र के चपरतल्ला कौरहे गांव का है। चपरतल्ला कौरहे गांव के रहने वाले राजेश कुमार वर्मा (28) ने सीओ शिल्पा वर्मा को शिकायती पत्र देकर पत्नी रेनू वर्मा और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि उनकी शादी 2001 में पिपरा लालच गांव निवासी राम उजागर की बेटी रेनू वर्मा से बाल्यावस्था में हुई थी। उस समय उनकी उम्र करीब 8 से 10 वर्ष थी। 2018 में गौना होने के बाद रेनू उनके साथ ससुराल आईं। कुछ समय बाद रेनू ने एएनएम का कोर्स करने की इच्छा जताई। पीड़ित पति के अनुसार, आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उसने पत्नी की पढ़ाई के लिए पंजाब में रहकर नौकरी की। लोहे की पल्लेदारी का काम किया, दो भैंसें बेच दीं और गन्ना बेचकर भी पैसे जुटाए। उसने बताया कि पढ़ाई के दौरान करीब डेढ़ लाख रुपये ऑनलाइन और अन्य माध्यमों से पत्नी को भेजे। राजेश का आरोप है कि 2022 में उसकी पत्नी मायके गई और उसके द्वारा दिए गए 12 हजार रुपये के पायल बेचकर एएनएम कोर्स में एडमिशन ले लिया। इसके बाद उसने भी पत्नी की पढ़ाई में पूरा सहयोग किया। अब कोर्स पूरा होने और अस्पताल में नौकरी मिलने के बाद पत्नी उसके साथ रहने को तैयार नहीं है। पीड़ित का आरोप है कि जब वह पत्नी को वापस लाने ससुराल गया तो उससे कहा गया कि यदि वह रेनू के साथ रहना चाहता है तो उसे अपने माता–पिता को छोड़कर गोंडा में अलग रहना होगा। राजेश ने बताया कि उसके पिता बीमार हैं और मां नेत्रहीन हैं, इसलिए वह उन्हें छोड़ नहीं सकता। राजेश कुमार वर्मा का कहना है कि पत्नी और उसके परिजन अब उससे 10 लाख रुपए मांग रहे हैं। उनका आरोप है कि शादी और गौना के समय दिए गए जेवर भी ससुराल पक्ष ने वापस नहीं किए। पीड़ित ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में पत्नी की पढ़ाई पर खर्च की गई रकम और जेवर वापस दिलाने की मांग की है। साथ ही मामले में न्याय दिलाने की अपील की है। राजेश ने बताया कि पत्नी ने पहले कहा था कि नौकरी लगने तक वह उसके घर पर रहेगी और नौकरी लगने के बाद जहां पोस्टिंग होगी, वहां दोनों साथ रहेंगे। लेकिन अब वह साथ रहने से इनकार कर रही है। पीड़ित पति ने कहा कि मैं सिर्फ पांचवीं तक पढ़ा हूं। मजदूरी करके पत्नी को पढ़ाया, लेकिन अब वह कह रही है कि तुम्हारे घर नहीं आऊंगी। मैं अपने बूढ़े और बीमार माता–पिता को छोड़कर कैसे अलग रहूं। फिलहाल पीड़ित मामले की जांच कर रही है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा थाना क्षेत्र के भैसहिया गांव में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे बांस की झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पाकर फरेंदा पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मामले में हत्या को भी आशंका जताई जा रही है। हादसा और हत्या के पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार सुबह कुछ ग्रामीण सड़क की ओर गए तो उनकी नजर सड़क किनारे झाड़ियों में पड़े एक व्यक्ति पर पड़ी। ग्रामीण जब पास पहुंचे तो व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। घटना की खबर गांव में आग की तरह फैल गई और कुछ ही देर में मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों के बीच घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोग इसे हादसा बता रहे हैं, जबकि कई लोगों ने हत्या की आशंका भी जताई है। लोगों के मुताबिक मृत युवक की पहचान पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के सीसहनिया बुजुर्ग निवासी अमित पासवान पुत्र ध र्मेंद्र पासवान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक बारात में शामिल होने के लिए मछलीगांव जा रहा था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में फरेंदा सीओ दीपशिखा वर्मा का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला एक्सीडेंट का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जा सके। घटना के बाद भैसहिया गांव समेत आसपास के इलाकों में सनसनी मच गई है। तरह तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़े, सपा का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। जिले के बरहज नगर में समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने कामर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन किया। यह सांकेतिक प्रदर्शन काली मंदिर के पास किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और बढ़ती महंगाई के खिलाफ आवाज उठाई।

सपा नेता विजय रावत ने इस दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ प्रदेश की जनता गैस सिलेंडर की कमी से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर व्यापारियों और दुकानदारों की आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव डाला जा रहा है।

रावत ने बताया कि पिछले दस वर्षों में गैस सिलेंडर सहित रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता और छोटे दुकानदार परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने से पहले गैस सिलेंडर लगभग चार सौ रुपये में उपलब्ध था, लेकिन अब इसकी कीमत बढ़कर लगभग एक हजार रुपये तक पहुंच गई है।

सपा नेता ने उपस्थित लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को हटाने की अपील की। उन्होंने जोर दिया कि प्रदेश को ऐसी सरकार की आवश्यकता है जो महंगाई को नियंत्रित कर सके और आम लोगों को राहत प्रदान कर सके।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला की हादसे में मौत

संवाददाता–देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। महिला सुबह टहलने के लिए घर से निकली थी, तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, बनकटा थाना क्षेत्र के रुस्तम बहियारी गांव निवासी लक्ष्मीना देवी (37) पत्नी महेंद्र प्रसाद शुक्रवार की सुबह घर से बाहर निकली थीं। वह मझौली–मैरवा मार्ग पर गांव के मोड़ के पास पहुंची थीं, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लक्ष्मीना देवी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क किनारे महिला को गंभीर हालत में पड़ा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। बनकटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन मौके पर पहुंच गए। परिवार में दुख का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का आवागमन लगातार बना रहता है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है।

पुलिस ने अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हादसे में शामिल वाहन का पता लगाया जा सके। मामले की जांच जारी है।

दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पहले पकड़ाया फिर छोड़कर भागे लोग

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के जटहा बाजार थाना क्षेत्र और यूपी–बिहार सीमा से सटे गांवों में पिछले दो दिनों से आतंक का पर्याय बना हिंसक जानवर आखिर तेंदुआ ही निकला। शुक्रवार सुबह पूर्णहा मिश्र गांव में ग्रामीणों ने अदम्य साहस दिखाते हुए तेंदुए को घेरकर पकड़ लिया, लेकिन किस्मत ने तेंदुए का साथ दिया। जैसे ही तेंदुए ने पलटी मारी, ग्रामीण डर के मारे उसे छोड़कर भाग खड़े हुए। इस समय वन विभाग की टीम उसे जाल में फंसाने की कोशिश में जुटी है और मौके पर सैकड़ों लोगों की भारी भीड़ जमा है। तेंदुआ इस समय पूर्णहा मिश्र गांव की आबादी के बीच स्थित एक घर में घिर गया है। उसे देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग जुट गए हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। सूचना मिलते ही वन रेंजर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। टीम तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए जाल और अन्य संसाधनों की मदद ले रही है। इस हिंसक जानवर ने गुरुवार दोपहर बिहार के मंझरिया क्षेत्र में दस्तक दी थी। इसके बाद यूपी–बिहार सीमा पर बांध स्थित

चिरईहवा पानी टंकी के पास बाइक सवार शारीरिक शिक्षक सुनील कुमार (बिहार निवासी) पर हमला कर दिया। देर रात जटहा बाजार थाना क्षेत्र के माघी कोठिलवा गांव (धूमनगर) निवासी उमेश गिरि पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उमेश को प्राथमिक उपचार के बाद गोरखपुर रेफर किया गया है। इसके अलावा एक महिला सहित आधा दर्जन लोगों को तेंदुआ अब तक घायल कर चुका है। लगातार हमलों से ग्रामीणों में भारी भय व्याप्त था। लोग रातभर लाठी–डंडों के साथ पहरा दे रहे थे। शुक्रवार सुबह पूर्णहा मिश्र गांव में लोगों ने हिम्मत दिखाकर तेंदुए को चारों तरफ से घेर लिया। कुछ साहसी ग्रामीणों ने तो तेंदुए को पकड़ भी लिया और उसे जमीन पर गिराकर दबाए रखा। लेकिन इससे पहले कि उसे बांधा जाता, तेंदुए ने जोर से पलटी मारी। अचानक हुए इस वार से ग्रामीण घबरा गए और उसे छोड़कर पीछे भाग खड़े हुए, जिसका फायदा उठाकर तेंदुआ फिर से एक घर में घुस गया। फिलहाल वन विभाग और पुलिस टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए कड़ी मशक्कत कर रही है। भीड़ को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। वन विभाग ने क्षेत्रीय लोगों को सतर्क रहने, घरों के दरवाजे बंद रखने और तेंदुए के नजदीक न जाने की सख्त हिदायत दी है।

चौपाल लगाकर बाल विवाह न करने को करें प्रेरित

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक कार्यालय समागार में सीओ भिनगा भरत पासवान की अध्यक्षता में थाना एएचटी व विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में बाल श्रम को रोकने, पॉक्सो एक्ट के साथ–साथ बाल विवाह की रोकथाम, किशोरों के कल्याण के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

उन्होंने बाल विवाह रोकने के लिए उपस्थित सभी पदाधिकारियों व समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारियों को गांवों में चौपाल लगाकर लोगों को बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित करने को कहा। बैठक में सीओ कार्यालय सतीश कुमार शर्मा, एसएसबी निरीक्षक राहुल कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना एचचीयू लाल साहब, प्रोबेशन कार्यालय से आशुतोष शुक्ला, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष विश्राम पासवान आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर जगी देशभक्ति की ज्वाला, कैडेट्स ने जाना सेना के शौर्य का इतिहास

संवाददाता–गोंडा। आचार्य नरेंद्र देव किसान पीजी कॉलेज में 48 यूपी एनसीसी बटालियन के तत्वावधान में 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्याख्यान माला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय सेना के अदम्य साहस, कठोर अनुशासन और गौरवशाली सैन्य अभियानों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने किया।

व्याख्यान माला में महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट विपिन शुक्ल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों के अटूट संकल्प, अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति की अमर विजय गाथा है। उन्होंने कैडेट्स का आह्वान किया कि वे अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र सेवा के मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें और देश के लिए सदैव तत्पर रहें। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने सभागार में उपस्थित जनसमूह के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल कर दिया। इसके साथ ही कैडेट्स को राष्ट्रप्रेम एवं सैन्य शौर्य पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। फिल्म ने युवा कैडेट्स के मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनमें सेना के प्रति विशेष उत्साह एवं जिज्ञासा देखने को मिली। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ अत्यंत गरिमामय ढंग से हुआ। कार्यक्रम में डॉ. आलोक त्रिपाठी, डॉ. सूर्य प्रकाश तिवारी एवं श्री सुनील कुमार सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में कैडेट्स उपस्थित रहे।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम घोटाले पर कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर कांग्रेस कमेटी गोरखपुर के महानगर उपाध्यक्ष जितेन्द्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा के कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम के जीर्णोद्धार कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर मण्डलायुक्त की अनुपस्थिति में अपर आयुक्त प्रशासन को दो सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए कार्यदायी संस्था यूपी सिडको, ठेकेदार और मेडिकल कॉलेज के संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम के जीर्णोद्धार पर करीब 7 करोड़ 63 लाख रुपये खर्च किए गए, लेकिन वहां उच्च गुणवत्ता वाली ब्रांडेड कुर्सियों के बजाय घटिया और लोकल कुर्सियां लगा दी गईं। इस मामले में पूर्व में भी मण्डलायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसके बाद कराई गई जांच में कुर्सियों की गुणवत्ता में अनियमितता की पुष्टि हुई।

महानगर उपाध्यक्ष जितेन्द्र विश्वकर्मा ने कहा कि जांच में घोटाला साबित होने के बावजूद दोषियों पर अब तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने मांग की कि यूपी सिडको गोरखपुर और मेडिकल कॉलेज के संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ तत्काल भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया जाए। संस्था को भविष्य में मेडिकल कॉलेज परिसर में किसी भी कार्य से प्रतिबंधित किया जाए। आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में अधिकारियों के संरक्षण में भ्रष्टाचार पनप रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था और मेडिकल कॉलेज प्रशासन की मिलीभगत से ब्रांडेड कुर्सियों के स्थान पर लोकल कुर्सियां लगाई गईं, जबकि मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बिना विधिवत हैंडओवर के ही ऑडिटोरियम में कई बड़े कार्यक्रम भी आयोजित कर दिए गए। जितेन्द्र विश्वकर्मा ने कहा कि जहां मेडिकल कॉलेज प्रशासन को कार्यदायी संस्था पर मुकदमा दर्ज कराना चाहिए था, वहीं इसके बजाय संस्था को केवल गलती सुधारने की सलाह दी जा रही है। आरोप लगाया कि संस्था को आधे से अधिक भुगतान भी किया जा चुका है, जबकि अनियमितताओं की जानकारी पहले से थी। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार पर लीपापोती का प्रयास बताया। इस दौरान अशोक निषाद, अभय सिंह, अभिमन्यु विश्वकर्मा, शैलेन्द्र बल्लभ पाण्डेय, दयानंद यादव, दीपु शर्मा, श्यामू साहनी, उमेश शर्मा, राकेश मौर्या और राजकुमार मोदनवाल सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीश्री रविशंकर की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग की बाउंड्री पर चला बुलडोजर

संवाददाता–अयोध्या। आध्यात्मिक विभूति श्रीश्री रविशंकर की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग की बाउंड्री पर बुलडोजर चला दिया गया। शासन से स्वीकृत महायोजना में माझा जमथरा ओपन लैंड होने से वहां किसी तरह का निर्माण प्रतिबंधित हो गया है। श्रीश्री की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग की भूमि इसी इलाके में बाटी बाबा के स्थान व राजघाट के मध्य गुप्तारघाट– नयाघाट–अयोध्या बंधा के किनारे है। निर्माणाधीन लक्ष्मण पथ के निर्माण में उसका हिस्सा आने से लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड–तीन ने बाउंड्रीवाल का ध्वस्तीकरण करा दिया। ध्वस्तीकरण के साथ संस्था को एक और बड़ा झटका प्रतिकर का लगा है जो नजूल भूमि होने की वजह से संस्था को नहीं दिया जाएगा। संस्था ने कई वर्ष पहले भूमि की रजिस्ट्री करायी थी। अधिशासी अभियंता सत्यपाल ने बताया कि लगभग सात किमी मीटर लंबे लक्ष्मण पथ के निर्माण में किसी को प्रतिकर देय नहीं है। फोरलेन में आने वाली सारी भूमि नजूल की है। सहायक अभिलेख अधिकारी (एआरओ) पवन कुमार शर्मा भी माझा जमथरा में सारी भूमि नजूल की बताते हैं। अयोध्या विकास प्राधिकरण के नियोजन विभाग के अनुसार माझा जमथरा में 14 कोसी परिक्रमा पथ व लक्ष्मण पथ के मध्य किसी प्रकार का निर्माण अनुमन्य नहीं है। रामायण संग्रहालय का निर्माण माझा जमथरा में होगा जिसके लिए लैंड यूज में परिवर्तन शासन के अनुमोदन से हो गया है। उसके बदले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) की तरह मसौधा ब्लाक में उतनी भूमि ग्रीन बेल्ट के लिए दी गई है। बताया कि इसके अलावा अन्य निर्माण पर रोक रहेगी। प्राधिकरण के इस दावे के बावजूद गुप्तारघाट से नयाघाट बंधा के किनारे लक्ष्मण पथ व 14 कोसी परिक्रमा के बीच माझा जमथरा में प्लाटों की सीमेंटड बाउंड्री एक नहीं सैकड़ों की संख्या में देखने को मिलेगी। प्राधिकरण के इंजीनियर उसे देखकर अनदेखा कर देते हैं। बाटी बाबा के पास निर्माण भी देखने को मिलेगा।

सड़क हादसे मे भाई–बहन सहित 3 की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि बोलेरो बुरी तरह पिचक गई। एक बुजुर्ग का शव गाड़ी के बाहर लटक गया, जबकि भाई–बहन के शव गाड़ी के अंदर फंस गए। बताया जा रहा है कि नीलगाय को बचाने के प्रयास में बोलेरो डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद गाड़ी उछलते हुए दूसरे लेन में चली गई और फिर 100 मीटर तक घिसटते हुए किनारे खड़े रोड रोलर से जा भिड़ी। यह हादसा गुरुवार रात करीब 9:30 बजे जिला मुख्यालय से करीब 44 किमी दूर गगहा थाना क्षेत्र में हुआ। बोलेरो सवार लोग किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। वहीं, तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। कोल्हुआ टाडा के रहने वाले नित्यानंद तिवारी के मामा के लड़के श्रवण पांडेय के घर गुरुवार को तुलादान और कथा का कार्यक्रम था। कथा के बाद शाम को भोज था। उसमें शामिल होने के लिए नित्यानंद का पूरा परिवार कौड़ीराम के हरिखोड़ा स्थित अपने मामा के घर गया था। नित्यानंद तिवारी के अनुसार, खाना खाने के बाद रात करीब 8.30 बजे एक बोलेरो गाड़ी से मेरे पिता विजय नारायण (65), मेरी पत्नी साधना (35), मेरी भतीजी उन्नति तिवारी (18), रिश्तेदार नर्मदा (70), मेरा भांजा शिवम और शशांक पांडेय घर के लिए निकले। गाड़ी कोठा निवासी अनिल त्रिपाठी (21) चला रहे थे। आगे की सीट पर पिता विजयनारायण बैठे थे, जबकि अन्य लोग पीछे वाली सीटों पर बैठे थे।

बोलेरो मझगांवा पुल के पास हाईवे पर पहुंची ही थी कि अचानक से एक नीलगाय सामने आ गई। नीलगाय को बचाने के चक्कर में बोलेरो सीधे जाकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद उछलते हुए दूसरे लेन में चली गई और करीब 100 मीटर घिसटते हुए किनारे खड़े रोड रोलर से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी बुरी तरह पिचक गई। आगे की सीट पर बैठे बुजुर्ग का शव बोलेरो के बाहर आधा झूल गया। बहन उन्नति तिवारी और भाई शिवम के शव गाड़ी में ही बुरी तरह से फंस गए। चार अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए। सबकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो किसी तरह से गाड़ी में फंसे घायलों साधना, शशांक, नर्मदा और अनिल को बाहर निकलवा कर उनको अस्पताल पहुंचवाया। बुजुर्ग विजयनारायण, उन्नति और शिवम के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। उन्नति तिवारी बड़हलगंज स्थित नैशनल डिग्री कालेज की बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी, वहीं उन्नति तिवारी के पिता सजय तिवारी घर पर ही किसानी का कार्य करते हैं। संजय की तीन बेटियों में सबसे बड़ी उन्नति तिवारी थी, वहीं दो अन्य बेटियां बारह वर्षीय अन्नया तिवारी व दस वर्षीय रिया है। इस समय बड़हलगंज स्थित कोल्हुआ स्थित मृतक विजय नरायन तिवारी के घर पर सन्नाटा पसरा है।

दूल्हे को झपकी आने से कार दुर्घटनाग्रस्त, दूल्हा–दुल्हन समेत पांच घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार बिजली के पोल से टकराकर पुलिया में जा घुसी। हादसे में दूल्हा–दुल्हन समेत पांच लोग घायल हो गए। इनमें दुल्हे की साली पुष्पा की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। गुरुवार को डुमरियागंज से सोंहास के खेखराव गांव बारात आई थी। शुक्रवार सुबह विदाई के बाद दूल्हा दुर्गेश कुमार कार से दुल्हन, अपनी साली पुष्पा तथा दो किशोरों को लेकर घर लौट रहा था। जोगिया–पकड़ी मार्ग पर महदेवा तिवारी चौराहे के पास वाहन चलाते समय दूल्हे को झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकराते हुए पुलिया में जा भिड़ी। हादसे में पुष्पा को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दूल्हा दुर्गेश, दुल्हन, किशोर अनमोल और एक अन्य किशोर भी घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर पुलिस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कालानमक चावल से 250 युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत कालानमक चावल को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता कार्यक्रम शुरू किया गया है। वर्ष 2026–27 तक कालानमक उत्पाद से संबंधित कार्यों के लिए 250 व्यक्तियों को प्रशिक्षण और टूलकिट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, स्वरोजगार को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राइस मिलों की स्थापना और कालानमक चावल के कारोबार के लिए युवाओं को बैंक के माध्यम से वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त उद्योग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण योजना के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के सिद्धार्थनगर के मूल निवासी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए कोई शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 को शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। विभाग ने बताया कि वित्तपोषण सहायता योजना के तहत जिले को 40 इकाइयों का भौतिक लक्ष्य और 1.61 करोड़ रुपये का वित्तीय लक्ष्य आवंटित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत कालानमक चावल से जुड़ी राइस मिल इकाइयों की स्थापना और इसके व्यापार के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा। लाभार्थियों को 25 प्रतिशत तक अनुदान भी मिलेगा। योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पाद को राष्ट्रीय पहचान दिलाना और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत भी ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना में उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की इकाइयों की स्थापना के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवक–युवतियां आवेदन कर सकते हैं। आवेदक का हाईस्कूल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इस योजना में भी 25 प्रतिशत तक अनुदान का प्राविधान है। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है।

शातिर चोर गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने बखिरा थाना क्षेत्र में हुई एक चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरी किए गए जेवरात व नगदी बरामद की है। यह कार्रवाई एसपी संदीप कुमार मीना के निर्देश पर की गई। घटना के संबंध में बखिरा थाना क्षेत्र के मलिक जोत के रहने वाले नुरुल हसन ने 7 मई 2026 को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मंगल बाजार बखिरा स्थित सराफा की दुकान से आरोपी अरमान आभूषण का थैला और पैसा लेकर भाग गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल 157/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर अब मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है।

जलभराव के समाधान के लिए नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोरखपुर। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव आदित्य शुक्ला ने नगर आयुक्त अजय जैन से मुलाकात कर प्री मानसून बारिश में महानगर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा। आदित्य ने ज्ञापन में गोलघर, राप्तीनगर, बशारतपुर सहित प्रमुख इलाकों में जलभराव से उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए त्वरित पम्पिंग, नालों की सफाई एवं दीर्घकालिक समाधान की मांग की। आदित्य शुक्ला ने कहा कि एनएसयूआई हमेशा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहा है। नगर निगम प्रशासन से अपेक्षा है कि इस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि जलनिकासी का उचित प्रबंधन किया जाएगा।

छापेमारी में 55 लीटर कच्ची शराब बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री को लेकर आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान में शुक्रवार को आबकारी निरीक्षक श्याम कुमार गुप्ता और अरविंद कुमार गुप्ता के नेतृत्व में राजघाट और गीडा थाना क्षेत्र में चकरा अउवल और बारिया तोला में छापेमारी की गई। इस दौरान टीम ने 55 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। टीम ने शराब की बरामदगी के साथ दो के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
शिवाकान्त
बनाम
सरकार आदि
ग्राम फुलवरिया पाण्डेय तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
1. रामगोपाल 2. ओम प्रकाश पुत्रगण परमात्मा प्रसाद 3. बंशगोपाल पुत्र पटेश्वरी साकिनान फुलवरिया पाण्डेय तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–05–2026
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–
T202417140304482
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
कैंसरजहॉ
बनाम
फिरदोस जहॉ आदि
1. अरसलान पुत्र यार मोहम्मद 2. सना खातून 3. मसीहा अंजुम पुत्रीगण यार मोहम्मद
तारीख पेशी 15–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
इजरा घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 2970/2026
थाना–लालगंज
जिला–बस्ती
मीना देवी
बनाम
शैलेन्द्र कुमार मौर्या आदि
1. शैलेन्द्र कुमार मौर्या पुत्र चिन्ताराम मौर्या निवासी ग्राम परेवा थाना लालगंज जिला–बस्ती 2. श्रेया पुत्री सूर्यदेव तिवारी निवासी ग्राम कुदरहा (बेलवरिया) थाना लालगंज जिला बस्ती –विपक्षीगण
तारीख पेशी 14–05–2026
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 14 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी रजिया बेगम पत्नी स्वर्गीय अब्दुल सलाम ग्राम व थाना नगर बाजार जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। मेरा पुत्र मोहम्मद आलम उर्फ सद्दाम परिवार के कहने–सुनने में नहीं है। उसे मैंने ढाई वर्ष पूर्व ही घर से निष्कासित कर दिया था। उसके बुरे व्यवहार को देखते हुये मैंने दिनांक 8–5–2026 से उसे अपने परिवार और चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अपने किसी भी कृत्य लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रही हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जमील अहमद पुत्र स्वर्गीय अब्दुल खालिक व शनाज खातून पत्नी जमील अहमद ग्राम व पोस्ट व थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा पुत्र मोहम्मद आसिफ परिवार के कहने–सुनने में नहीं है। उसके बुरे व्यवहार को देखते हुये हमने दिनांक 8–5–2026 से उसे अपने परिवार और चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अपने किसी भी कृत्य लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–659/2023
सोनमती
बनाम
कुलदीप आदि
1. कुलदीप पुत्र रामअशीष साकिन महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. अखिलेश कुमार 3. दिलीप कुमार 4. अजय कुमार पुत्रगण रामफेर साकिनान महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 5. पंकज कुमार पुत्र रामफेर नावालिग संरक्षिका माता खुद साकिन महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 22–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–742/2024
रंगबहादुर सिह
बनाम
विश्वकान्त सिंह आदि
2. अस्पताली सिह उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र मुन्ना सिह 3. अरूण कुमार सिह उम्र लगभग 45 वर्ष 4. पवन कुमार सिंह उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्रगण कपिलदेव सिंह 5. विक्रमबीर सिंह उम्र लगभग 62 वर्ष 6. दीप कुमार सिह उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्रगण कवलदेव सिंह 7. सुखपाल सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र माता बदल सिंह 9. फूलचन्द्र सिंह उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्र सत्यदेव सिह 13. नन्द कुमार सिंह उम्र लगभग 58 वर्ष 14. रविकुमार सिंह उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्रगण बलदेव सिंह 15. राहुल सिंह उम्र लगभग 30 वर्ष 16. पंकज सिंह उम्र लगभग 28 वर्ष 17. विपिन सिंह उम्र लगभग 26 वर्ष –18 विवेक सिंह उम्र लगभग 24 वर्ष 19 रंजीत सिह उम्र लगभग 22 वष पुत्रगण परमात्मा सिंह 21. मनोज कुमार सिंह उम्र लगभग 51 वर्ष पुत्र अस्पताली सिंह साकिनान–चाईबारी, तप्पा–सिकन्दरपुर, परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
– प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 24–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–766/2025
मो0 यूनुस
बनाम
जाकरूननिशा
1. जाकरूननिशा उमर करीब 54 साल पत्नी गरीब साकिन तेनुआ असनहरा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 21–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–582/2020
प्रकीर्ण वाद सं0–72/2026
रामसुरेश
बनाम
कोकी आदि
श्रीमती मीना उम्र लगभग 45 साल पत्नी बाबूराम साकिन गाना गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम गनेशपुर करौजी तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 15–05–2026
हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 05 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 07 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–328/2023
कृष्णदेव चौबे
बनाम
छेदीलाल आदि
1–छेदीलाल उम्र लगभग 75 साल पुत्र त्रिलोकी 2–अमित गाडिया उम्र लगभग 42 साल पुत्र स्व० सन्तोष कुमार निवासीगण – बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
– प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3–अरुण कुमार उम्र लगभग 53 साल 4–अतुल कुमार उम्र लगभग 50 साल 5–अनुप कुमार उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण स्व० ओम प्रकाश 6–श्रीमती मीना देवी उम्र लगभग 73 साल पत्नी स्व० ओम प्रकाश निवासीगण बस्ती खास स्टेशन रोड तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
– प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 20–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com